

## बालाजी के दरबार पे | By Kamal Kishore Kavi

चलो सारे चलो बालाजी के दरबार पे  
दुःख कट जाते जहाँ सारे संसार के  
चलो सारे चलो बाबाजी के दरबार पे

सारे जग से बालाजी के दर की शान निराली है  
दुःख कलेश का नाम नहीं बस खुशहाली खुशहाली है  
सदके जाऊं वारे जाऊं बाबाजी के प्यार पे  
चलो सारे चलो बालाजी के दरबार पे

सुन्दर छवि है बालाजी की द्वारा मन को भाता है  
मनोकामना पूरी हो जाए जो भी चल के आता है  
बाबाजी ना खाली मोड़े बिना किसी उपहार के  
चलो सारे चलो बालाजी के दरबार पे

कर्मरूपाद बाला मेहंदीपुर में शीश झुकाता है  
कमल किशोर कवी हर दम बाबा की महिमा गाता है  
जलवे सारे न्यारे भक्तों इस सच्ची सरकार के  
चलो सारे चलो बालाजी के दरबार पे

<https://bhaktivandana.com/lyrics/%e0%a4%ac%e0%a4%be%e0%a4%b2%e0%a4%be%e0%a4%9c%e0%a5%80-%e0%a4%95%e0%a5%87-%e0%a4%a6%e0%a4%b0%e0%a4%ac%e0%a4%be%e0%a4%b0-%e0%a4%aa%e0%a5%87-by-kamal-kishore-kavi/>